

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रासादारण

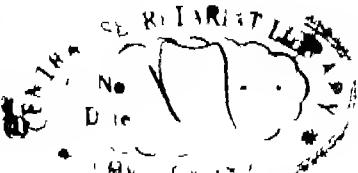
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 72] नई विल्ली, सोमवार, मार्च 1, 1976/फाल्गुन 11, 1897

No. 72] NEW DELHI, MONDAY, MARCH 1, 1976/PHALGUNA 11, 1897

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रालय संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

NOTIFICATIONS

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 1st March 1976

G.S.R. 100(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. These rules may be called the Central Excise (Ninth Amendment) Rules, 1976.

2. In the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), in sub-rule (2) of rule 173A, the words, figures and letters "or who is entitled to discharge his duty liability in the manner provided for in rule 173RD" shall be inserted at the end.

3. In rule 173RA of the said rules,—

(i) in sub-rule (2), for the proviso, the following provisos shall be substituted, namely:—

"Provided that in the case of a manufacturer referred to in clause (d) or in clause (e) of sub-rule (3), or in sub-rule (3A) (hereinafter in this Chapter referred to as the "new assessee", the duty on the excisable goods, manufactured by him during the period referred to in sub-clause (ii) of clause (d) of sub-rule (3), excluding the month in which he makes the application, or, as the case may be, during the period referred to in clause (e) of that sub-rule, shall be paid, notwithstanding anything contained in this Chapter or in Chapter VIIA, in accordance with the provisions of Chapter V and the permission under rule 173RD shall not be granted if the annual value of such goods manufactured by him during the whole of the period referred to in clause (d) or clause (e), as the case may be, exceeds five lakhs of rupees;

Provided further that the Central Board of Excise and Customs may, by general or special order, permit, subject to such conditions as may be specified therein, any assessee referred to in clause (a) to make the application after the commencement of the three year bloc period.”;

(ii) in sub-rule (3), for Explanation I, the following Explanation shall be substituted, namely:—

*“Explanation I.—For the purpose of computing the annual value, the value of the excisable goods manufactured during the period relevant under this sub-rule, shall be determined *pro rata* on the basis of the value of such goods removed on payment of duty during that period.”;*

(iii) after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely:—

“(3A) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3), a manufacturer, who had a licence on the 1st January, 1976 for manufacture of the excisable goods but—

(a) did not manufacture or remove such goods during the period in which he had such licence; or

(b) where the information furnished by him in the application regarding the particulars of the excisable goods manufactured and removed by him is, in the opinion of the Collector, not sufficient for the purpose of determination of the annual value or the average annual quantity or value of such goods,

shall be deemed to be the manufacturer referred to in clause (e) of that sub-rule.”.

4. 173RB of the said rules,—

(i) in sub-rule (1), for the Explanation, the following Explanation shall be substituted, namely:—

“Explanation.—The expression ‘three year bloc period’—

(a) in relation to the new assessee, shall not include the period in which he pays under sub-rule (2) of rule 173RA, the duty in accordance with the provisions of Chapter V;

(b) in relation to the assessee referred to in the second proviso in sub-rule (2) of rule 173RA, shall not include the months preceding the month with effect from which he begins discharging his duty liability in the manner provided for in rule 173RD.”;

(ii) in sub-rule (2),—

(A) in clause (i), after the figures and letter “IC,”, the figures “14,” shall be inserted;

(B) clause (ii) shall be omitted.

5. In sub-rule (2) of rule 173RC of the said rules, in sub-clause (i) of clause (b), after the word, figures and letters “Chapter VIIA”, the following shall be inserted, namely:—

“and where the provisions of that Chapter do not apply to such goods, in accordance with the provisions of Chapter V”.

6. In sub-rule (2) of rule 173RD of the said rules, after the existing proviso, the following further proviso shall be inserted, namely:—

“Provided further that the assessee shall, notwithstanding anything contained in this rule, commence discharging his duty liability with effect from the month following the month in which the proper officer has intimated the amount payable by such assessee.”.

7. For rule 173RG of the said rules, the following rule shall be substituted, namely:—

“173RG.—Duty on excisable goods in stock at the factory of the assessee.—

Duty due on the excisable goods in stock at the factory of the assessee on the last day of the month preceding the month from which he begins discharging his duty liability in the manner provided for in rule 173RD

shall, notwithstanding anything contained in rule 9A, be paid at the rate in force on that day and—

- (a) in a case where such rate is 'nil', the excisable goods so in stock shall, after the assessee has furnished to the proper officer a declaration in respect thereof, be removed by him on his own gate pass in the manner provided for in sub-rules (4) and (5) of rule 173RD, and
- (b) in any other case, the excisable goods so in stock shall be removed in accordance with the provisions of Chapter V, within fourteen days of the commencement of the month from which the assessee begins discharging his duty liability in the manner provided for in rule 173RD".

8. In rule 173RJ of the said rules, in sub-rule (1)—

- (a) after the word "assessee", the words, brackets, letters and figures "other than the assessee referred to in clause (c) or clause (d) of sub-rule (5) of rule 173RA" shall be inserted; and
- (b) for the words, figures and letter, "—notwithstanding anything contained in Chapter VII-A", the words, "unless the Collector, by general or special order, otherwise directs" shall be substituted.

[No. 38/76-CE]

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बौंकिंग विभाग)

अधिसूचनाएं

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1976

सा० का० नि० 100 (ग्र).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (नवां संशोधन) नियम, 1976 है।

2. केन्द्रीय-उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 173 के उपनियम (2) में, "या जो नियम 173 वधु में उपबंधित रीति से अपने शुल्क दायित्व का निष्पादन करने का हकदार है" शब्द, शंक और अक्षर अंत में जोड़े जाएंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 173 द क में,—

(i) उपनियम 2 में, परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक जोड़े जाएंगे, अर्थात्:—

"परन्तु उपनियम (3) के खण्ड (घ) या खण्ड (इ) में, या उपनियम (3क) में निर्दिष्ट विनिर्माता की दशा में (जिसे इस अध्याय में इसके पश्चात् 'नया निर्धारिती' कहा गया है) उसके द्वारा, यथास्थिति, उपनियम (3) के खण्ड (घ) के उपखण्ड (ii) में निर्दिष्ट श्रवणि के दौरान, उस मास को अपवर्जित करके जिसमें उसने आवेदन किया हो, या उस उपनियम के खण्ड (इ) में निर्दिष्ट श्रवणि के दौरान विनिर्मित उत्पाद-शुल्क या लाल पर शुल्क, इस अध्याय में या अध्याय 7क में किसी बात के होते हुए भी, अध्याय 5 के उपबन्धों के

अनुसार संदर्भ किया जायेगा और नियम 173 द ध के अधीन अनुशा मंजूर नहीं की जाएगी यदि, यथास्थिति, खण्ड (ब) या खण्ड (ड) में निर्दिष्ट समस्त अवधि के दौरान उसके द्वारा विनिमित ऐसे माल का वार्षिक मूल्य 5 लाख रुपये से अधिक है, परन्तु यह श्रौत कि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड, साधारण या विशेष आदेश द्वारा, ऐसी शर्तों पर जैसी कि आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, खण्ड (क) में निर्दिष्ट किसी निर्धारिती को द्विवर्षीय युग्म अवधि के आरम्भ के पश्चात् आवेदन करने की अनुशा प्रदान कर सकता है।”;

(ii) उपनियम 3 में, स्पष्टीकरण 1 के स्थान पर, निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण 1—वार्षिक मूल्य की संगणना के प्रयोजन के लिए, इस उपनियम के अधीन सुरक्षित अवधि के दौरान विनिमित उत्पाद-शुल्क्य माल का मूल्य उस अवधि के दौरान शुल्क का संदाय करके उठाए गए ऐसे माल के मूल्य के आधार पर अनुपाततः अवधारित किया जाएगा”।

(iii) उपनियम (3) के पश्चात्, निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(3क) उपनियम (3) में किसी बाल के होते हुए भी, वह विनिर्माता जिसके पास उत्पाद-शुल्क्य माल के विनिर्माण के लिए 1 जनवरी, 1976 को अनुशास्ति थी किन्तु—

(क) जिसने उस अवधि के दौरान, जिसमें कि उसके पास अनुशास्ति थी, ऐसे माल का न तो विनिर्माण किया है न उसे उठाया है; या

(ख) जहां उसके द्वारा विनिमित और उठाया गया उत्पाद-शुल्क्य माल की विशिष्टियों की बाबत आवेदन में उसके द्वारा दी गई जानकारी, कलेक्टर की राय में ऐसे माल के वार्षिक मूल्य या उसकी औसत वार्षिक मात्रा या उसके मूल्य के निर्धारण के प्रयोजन के लिए यथेष्ट नहीं हैं,

उस उपनियम के खण्ड (ड) में निर्दिष्ट विनिर्माता समझा जाएगा”।

4 उक्त नियमों के नियम 173 द ख में,—

(i) उपनियम 1 में, स्पष्टीकरण के स्थान पर, निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण—‘द्विवर्षीय युग्म अवधि’ पद के अन्तर्गत, —

(क) नए निर्धारिती के सम्बन्ध में, वह अवधि नहीं आएगी जिसमें वह, अध्याय 5 के उपबन्धों के अनुसरण में, नियम 173 द क के उपनियम (2) के अधीन शुल्क का संदाय करता है;

(ख) नियम 173 द क के उपनियम (2) में द्वितीय परन्तुक में निर्दिष्ट निर्धारिती के सम्बन्ध में, उस मास के, जिससे वह नियम 173 द ध में उपबंधित रीति से शुल्क दायित्व का निष्पादन आरम्भ करता है, पूर्ववर्ती मासों की अवधि नहीं आएगी।”;

(ii) उपनियम 2 में,—

(क) खण्ड (i) में “1 ग” अंक और अक्षर के स्थान पर “14” अंक रखे जाएंगे,

(ख) खण्ड (ii) का लोप किया जाएगा।

5. उक्त नियमों के नियम 173 द ग के उपनियम (2) में, खण्ड (ख) के उपखण्ड (i) में, “अध्याय 7 क” शब्द, अंक और अक्षर के पश्चात्, निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“और जहां उस अध्याय के उपबन्ध ऐसे माल को लागू नहीं होते हों वहां अध्याय 5 के अनुसरण में”।

6. उक्त नियमों के नियम 173 द घ के उपनियम (2) में, विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक और जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, निर्धारिती उस मास के, जिसमें समुचित अधिकारी ने ऐसे निर्धारिती द्वारा देय रकम संसूचित की हो, आगामी मास से अपने शुल्क दायित्व का निष्पादन करेगा”।

7. उक्त नियमों के नियम 173 द छ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“173द छ—निर्धारिती के कारखाने पर स्टाक में के उत्पाद शुल्क य माल पर शुल्क— उस मास से जिससे निर्धारिती नियम 173 द घ में उपबन्धित रीति से अपने शुल्क दायित्व का निष्पादन आरम्भ करता है, पूर्ववर्ती मास की अन्तिम तारीख की निर्धारिती के कारखाने पर स्टाक में के उत्पाद शुल्क य माल पर शोध शुल्क, नियम 9 क में किसी बात के होते हुए भी, उस दिन प्रवृत्त दर पर संदर्भ किया जाएगा और —

(क) ऐसे मामले में जहां एसी दर ‘कुछ नहीं’ है, स्टाक में का ऐसा उत्पाद-शुल्क य माल, निर्धारिती द्वारा उसके सम्बन्ध में समुचित अधिकारी को धोषणा प्रस्तुत करने के पश्चात्, उसके द्वारा अपने गेट पास पर ही, नियम 17 दब्द के उपनियम (4) और (5) में उपबन्धित रीति से, उठाया जाएगा, और

(ख) किसी श्रम्य मामले में, स्टाक में का ऐसा उत्पाद-शुल्क य माल, उस मास के, जिससे निर्धारिती अपना शुल्क दायित्व नियम 173 दब्द के उपबन्धों के अनुसार निष्पादित करना आरम्भ करता है, चौदह दिन के भीतर अध्याय 5 के उपबन्धों के अनुसार उठाया जाएगा।”।

8. उक्त नियमों के नियम 173 दछ में, उपनियम (1) में—

(क) “निर्धारिती” शब्द के पश्चात् “नियम 173 दक के उपनियम (5) के खण्ड (ग) या खण्ड (घ) में निर्दिष्ट निर्धारिती से भिन्न “शब्द कोष्ठक, अक्षर और अंक जोड़े जाएंगे ; और

(ख) “अध्याय 7 क में किसी बात के होते हुए भी” शब्दों, अंक और अक्षर के स्थान पर “जब तक कि कलेक्टर, साधारण या विशेष आदेश द्वारा, अन्यथा निर्देश न करे” शब्द रखे जाएंगे।

G.S.R. 101(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 173RA of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government, being satisfied that it is necessary or expedient in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) No. 13/76-Central Excises, dated the 23rd January, 1976, namely:—

In the proviso to the said notification,—

- (1) in clause (b), for the words "avails of the special procedure", the words "is entitled to avail of the special procedure" shall be substituted; and
- (2) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely:—

“(c) Wireless Receiving Sets falling under Item No. 33A of the said schedule which are for the time being exempt from the whole of the duty leviable thereon.”.

[No. 39/76-CE]

सांख्यिकीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 173 द के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक या समीचीन है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं० 13/76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 23 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के परन्तुक में,

- (1) खण्ड (ख) में, “विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाता है” शब्दों के स्थान पर “विशेष प्रक्रिया का लाभ उठाने का हकदार है” शब्द रखे जाएंगे; श्रीर
- (2) खण्ड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) उक्त अनुसूची की मध्य सं० 33 के अन्तर्गत सम्मिलित वायरलैस रिसी-विंग सेट जो कि उन पर उद्ग्रहणीय समस्त शुल्क से तत्समय छूट प्राप्त हैं”।

[सं० 39/76-के० उ० ष०]

G.S.R. 102(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) No. 14/76-Central Excises, dated the 23rd January, 1976, namely:—

In the said notification, in clause (ii) of the first proviso, for the words 'two lakhs of rupees', the words 'one lakh of rupees' shall be substituted.

[No. 40/76-CE]

L. C. MITTAL, Under Secy.

सां० का० नि० 102 (आ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं० 14 / 76—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 23 जनवरी, 1976 में, निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

इकत अधिसूचना में, प्रथम परन्तुक के खण्ड (ii) में, “दो लाख रुपये” शब्दों के स्थान पर “एक लाख रुपये” शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 40 / 76-के० उ० श०]

लक्ष्मी चन्द मित्रल, अवर सचिव।

